अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-I

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2022 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

Course Structure for M .A.-I, Hindi (2022 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
I	Major (Mandatory)	PAHN111	सामान्य स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो तथा रहीम)	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN112	विशेष स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN113	विशेष स्तर : भारतीय साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN114	विशेष स्तर : विशेष साहित्यकार : कबीर	Theory	04
			Total Credits Semester- I		**16**

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – I

सामान्य स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो तथा रहीम)
PAPER CODE : PAHN111
(2022-2023)

(2022 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** PAHN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** I
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**:** सामान्य स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो तथा रहीम)
Course Code	**:** PAHN111
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।
2. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य–कृतियों का परिचय कराना।
3. प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्य कला से छात्रों को अवगत कराना।
4. छात्रों को हिंदी की प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित कराना।
5. छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
6. प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
7. प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य का रसास्वादन कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित होंगे।

CO2-हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए प्राचीन भाषा एवं शिल्प से परिचित होंगे।

CO3-तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों का ज्ञान होगा।

CO4-प्राचीन कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।

CO5-सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।

CO6-प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO7-छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य के माध्यम से अनुसंधान की दृष्टि विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी. /भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर
प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो तथा रहीम)
PAPER CODE : PAHN111

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

शैक्षिक वर्ष : [2022-23 से]

पाठ्यपुस्तकें :

1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य

संपादक : डॉ. भोलानाथ तिवारी

प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली – 110 002

ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ :

अ) पहेलियाँ
   1. अंतर्लिपिका – 2, 7, 15,
   2. बहिर्लिपिका – 2, 13,

आ) मुकरियाँ – 1, 11, 19,

इ) दो सखुन – = 10

ई) ढकोसले – ०७

उ) कव्वाली – 02

ऊ) निसबते – 10

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 01)

2) रहीम ग्रंथावली : दोहावली
(1 से 50 दोहे)

संपादक : विद्यानिवास मिश्र,गोविंद रजनीश

प्रकाशक : वाणी प्रकाशन 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. अमीर खुसरो–व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता
3. अमीर खुसरो की रचनाओं में लोकरंजकता
4. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान
5. अमीर खुसरो की भाषा तथा काव्य कला
6. अमीर खुसरो की देन – कव्वाली

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

7. रहीम व्यक्तित्व एवं कृतित्व

8.रहीम के काव्य नीति
9.रहीम के काव्य में सौंदर्य वर्णन
10. रहीम के काव्य में कल्पना और यथार्थ
11. रहीम के काव्य में भाषा
12. रहीम के काव्य भावपक्ष और कलापक्ष

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा/टेस्ट/भाषा कौशल/मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50– 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100– 120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

संदर्भ ग्रंथ :

1. अमीर खुसरो – डॉ. हरदेव बाहरी
2. खुसरो की हिंदी कविता– ब्रजरत्न दास
3. अमीर खुसरो – भोलानाथ तिवारी
4. रहीम ग्रथावली – विद्यानिवास मिश्र]गोविंद रजनिश
5. मध्यकालीन कविता का पाठ – डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल
6. काव्य पराग – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
7. रहीम – रामनरेश त्रिपाठी
8. हिंदी के प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
9. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN111

Tittle of Course : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					3	2			
CO 2					2	3			
CO 3			3						
CO 4					2	2			
CO 5		3	3						
CO 6								3	
CO 7	3								
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO7-छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य के माध्यम से अनुसंधान की दृष्टि विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO5-सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO3-तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों का ज्ञान होगा।

CO5-सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1-छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित होंगे।

CO2-हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए प्राचीन भाषा एवं शिल्प से परिचित होंगे।

CO4-प्राचीन कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित होंगे।

CO2-हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए प्राचीन भाषा एवं शिल्प से परिचित होंगे।

CO4-प्राचीन कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO6-प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

.....

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – I

विशेष स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य
(उपन्यास और कहानी)

PAPER CODE : PAHN112

(2022-2023)

(2022 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** PAHN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** I
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**:** विशेष स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)
Course Code	**:** PAHN112
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास का परिचय देना।
4. रचना विशेष का महत्व समझाते हुए मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
5. रचना के आस्वादन का महत्व बढ़ाना।
6. समीक्षण की क्षमता विकसित करना।
7. रचनाओं में चित्रित समस्याओं से रूबरू कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्रों में साहित्य पढने की रुचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।
CO2-साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल,भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।
CO3-आधुनिक कथासाहित्यकारों से परिचित होंगे।
CO4-नवसृजनलेखन की प्रेरणा जागृत होगी।
CO5-सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।
CO6-रचनाओं में चित्रित समस्याओं से रूबरू होंगे।
CO7-समीक्षण की क्षमता विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 2 : विशेष स्तर
आधुनिक हिंदी कथा साहित्य
(उपन्यास और कहानी)
PAPER CODE : PAHN112
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

पाठ्यपुस्तकें :

1) उपन्यास–'अकाल में उत्सव' : पंकज सुबीर
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन,सम्राट कॉम्प्लैक्स,सीहोर–466001 (म.प्र.)

2) कहानी दशक–संपादन–हिंदी अध्ययन मंडल,सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय,पुणे
प्रकाशक : परिदृश्य प्रकाशन,मुंबई

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी उपन्यास विधा का सामान्य परिचय
2. हिंदी उपन्यास का विकास
3. विवेच्य रचनाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
4. 'अकाल में उत्सव' : तात्विक विवेचन

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

5. 'अकाल में उत्सव': संवेदनाएँ
6. 'अकाल में उत्सव': विभिन्न समस्याएँ
7. 'अकाल में उत्सव' : पात्रों का चरित्र चित्रण
8. 'अकाल में उत्सव' : शिल्पपक्ष
9. 'अकाल में उत्सव' : शीर्षक की सार्थकता

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय:

1. हिंदी कहानी विधा का विकास
2. कहानी विधा के तत्व तथा आलोचना : हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के संदर्भ में

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

हिंदी श्रेष्ठ कहानियाँ

1. उसने कहा था– चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
3. गैंग्रीन – अज्ञेय
4. सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
5. साजिश– सूरजपाल चौहान
6. जंगल गाने लगा – अंकुश्री
7. दूसरा ताजमहल – नासिरा शर्मा
8. दुख – यशपाल

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / भाषाकौशल / मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरीप्रश्न (50– 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरीप्रश्न (100– 120 शब्दों में) (3 मेंसे 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दिर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

संदर्भ ग्रंथः

1. अट्ठारह उपन्यास : राजेंद्र यादव
2. हिंदी उपन्यास : सौवर्ष–संपा. रामदरशमिश्र
3. समकालीन हिंदी उपन्यास–डॉ. विवेकी राय
4. उपन्यास : स्थिति और गति–डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
5. आज का हिंदी उपन्यास– डॉ. इंद्रनाथ मदान
6. आज का हिंदी उपन्यास– डॉ. इंद्रनाथ मदान
7. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि : डॉ.सत्यपाल चुघ
8. नई कहानी का स्वरूप विवेचन–डॉ. इंदु रश्मि
9. नई कहानी के विविध प्रयोग– शशिभूषण पाण्डेय शीतांषु
10. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ. पुष्पपाल सिंह
11. नई कहानी की भूमिका–कमलेश्वर
12. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति–देवीशंकर अवस्थी
13. उत्तर शती का हिंदी साहित्य–संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
14. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य –डॉ. राजेंद्र खैरनार
15. हिमांशु जोशी का कथा साहित्य – डॉ. अनिल साळुंखे

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN112

Tittle of Course : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	3			
CO 2					3	3			
CO 3					2	3			
CO 4								3	
CO 5		3	3						
CO 6		3							
CO 7								3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO5-सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO5-सामाजिक एवं नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।

CO6-रचनाओं में चित्रित समस्याओं से रूबरू होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1-छात्रों में साहित्य पढने की रुचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।

CO2-साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल,भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।

CO3-आधुनिक कथासाहित्यकारों से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-छात्रों में साहित्य पढने की रुचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।

CO2-साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल,भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।

CO3-आधुनिक कथासाहित्यकारों से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO4-नवसृजनलेखन की प्रेरणा जागृत होगी।

CO7-समीक्षण की क्षमता विकसित होंगी।

.....

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – I

विशेष स्तर :

भारतीय साहित्यशास्त्र

PAPER CODE : PAHN113

(2022-2023)

(2022 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** PAHN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** I
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**: विशेष स्तर : भारतीय साहित्यशास्त्र**
Course Code	**:** PAHN113
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
4. साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से छात्रों को अवगत कराना।
5. छात्रों को साहित्यशास्त्रीयचिंतन से परिचित कराना।
6. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसितकरना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।

CO5-साहित्य के सौंदर्यशास्त्र की पहचान होंगी।

CO6-छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान होगा।

CO7-साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में संशोधन की दृष्टि विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर
भारतीय साहित्यशास्त्र
PAPER CODE : PAHN113
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

अध्ययनार्थ विषयः

1. रस सिद्धांतः

रस निष्पत्ति संबंधीभट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं काविवेचन, रस का स्वरूप, भरतमुनि का रससूत्र, रस के अवयव (अंग), साधारणीकरण की अवधारणा, करुण रस का आस्वाद। (तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

2. अलंकार सिद्धांतः

अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, अलंकार सिद्धांत का स्वरूप, अलंकारऔर अलंकार्य, अलंकार और रस, काव्य मेंअलंकार का स्थान। (तासिकाएँ 09 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–) +

3. रीति सिद्धांतः

रीति शब्द की व्युत्पत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीतिऔर गुण, रीति और शैली। (तासिकाएँ 06 = 15 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–01)

4. ध्वनि सिद्धांतः

ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि औरस्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्द–शक्ति, ध्वनि सिद्धांत का महत्व। (तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–01)

5. वक्रोक्ति सिद्धांतः

वक्रोक्ति की परिभाषा, आचार्य कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धांत कास्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों का सोदाहरण परिचय, वक्रोक्ति का महत्व। (तासिकाएँ 08 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–) +

6. औचित्य सिद्धांतः

औचित्य का स्वरूप, आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेन्द्र काऔचित्य विचार, औचित्य के भेद, सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व। (तासिकाएँ 07 = 15 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–अन्य 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100
अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)
सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे		अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12	
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12	
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)		12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12	
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)		12

संदर्भ ग्रंथः

1. काव्यशास्त्र की रूपरेखा– डॉ. रामदास भारद्वाज
2. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव शर्मा
3. काव्यशास्त्र –डॉ. भगीरथ मिश्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र –डॉ. विजयपाल सिंह
5. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य–चिंतन– डॉ. सभापति मिश्र
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चन सिंह
7. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर
8. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत– डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
9. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ. नगेंद्र
10. भारतीय काव्यशास्त्र–(खंड़–1 और 2)– आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
12. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. तेजपाल चौधरी
13. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– प्रो. हरिमोहन
14. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
15. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. जालिंदर इंगळे
16. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव झारी

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN113

Tittle of Course : भारतीय साहित्यशास्त्र

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	3			
CO 2					2	3			
CO 3								3	
CO 4						2			
CO 5						2			
CO 6					2				
CO 7	3								
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO7-साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में संशोधन दृष्टि विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO6-छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य-वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान होगा।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।

CO5-साहित्य के सौंदर्यशास्त्र की पहचान होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

.....

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – I

विशेष स्तर :

विशेष साहित्यकार : कबीर

PAPER CODE : PAHN114

(2022-2023)

(2022 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** PAHN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** I
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**:** विशेष स्तर : विशेष साहित्यकार : कबीर
Course Code	**:** PAHN114
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देना।
2. छात्रों को कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को कबीर के काव्य की प्रासंगिकता स अवगत कराना।
4. तत्कालीन काव्य भाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।
5. कबीर के साहित्य में चित्रित नैतिक मूल्यों का परिचित करना।
6. कबीर के रहस्यवाद और दार्शनिकता रूबरू करना।
7. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्रों को मध्ययुगीन काव्य की प्रवृत्तियों का महत्व समझेगा।

CO2-छात्रों में मध्ययुगीन हिंदी काव्य के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।

CO3-छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति गहरी रूचि निर्माण होगी।

CO4-छात्रों में महात्मा कबीर के विचारों से प्रभावित होगें।

CO5-छात्र महात्मा कबीर के विचारों को वर्तमानकाल के परिप्रेक्ष्य में विचार करेंगें।

CO6-छात्र तत्कालीन काव्यभाषा से परिचित होंगे।

CO7-कबीर के साहित्य में चित्रित नैतिक मूल्यों का परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
4. दोहों और पदों की प्रस्तुति।
5. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 4 : विशेष स्तर
विशेष साहित्यकार : कबीर
PAPER CODE :PAHN114
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

पाठ्यग्रंथः

कबीर ग्रंथावली–संपादक : श्यामसुदंरदास
प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

ससंदर्भ व्याख्या के लिए केवल निम्न लिखित छंद :

1. गुरु देव कौ अंगः 4, 20, 26, 34 = 04
2. सुमिरण कौ अंग : 4, 5, 9, 25 = 04
3. विरह कौ अंगः 3, 18, 21, 45, = 04
4. निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग : 2, 3, 9,14 = 04

(तासिकाएँ 15 घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

5. निंद्या कौ अंग : 2, 3, 4, 8 = 04
6. पद : 1, 40, 43, 59, 156, 180, 198, 251, 274, 290 = 10

(तासिकाएँ 15 घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

अध्ययनार्थ विषयः

1. निर्गुण काव्य धारा के प्रमुख कवि : संत कबीर
2. कबीरः व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3. कबीर के धार्मिक विचार
4. कबीर काव्य में विद्रोह
5. समाज सुधारक के रूप में कबीर

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

6. कबीर का प्रेमतत्व और विरह भावना
7. कबीर का रहस्यवाद
8. कबीर के राम
9. कबीर की दार्शनिकता–ब्रह्म, जीव, माया, जगत, मोक्ष
10. कबीर की उलटबासियॉ और प्रतीक पद्धति
11. कबीर काव्य की प्रासंगिकता

(तासिकाएँ 15 घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100
अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा/टेस्ट/टयुटोरियल/प्रस्तुतिकरण/क्षेत्रीय अध्ययन/शोध परियोजना आदि)
सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न 12

प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50–60 शब्दों में) (4 मेंसे 3) 12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100–120 शब्दों में) (3 मेंसे 2) 12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 मेंसे 2) 12
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 मेंसे 1) 12

संदर्भ ग्रंथः

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीरः संपा. विजयेंद्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
4. कबीर साहित्य की परंपरा : आ. परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर चितंन और सर्जन : संपा. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. कबीर : एक विवेचन :डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'
7. नाथ और संत साहित्य : डॉ. नागेंद्रनाथ उपाध्याय
8. हिंदी संतों का उलटबाँसी साहित्य : डॉ. रमेशचंद्र मिश्रा
9. कबीर साधना और साहित्य : डॉ. प्रतापसिंह चौहान
10. कबीर एक अनुशीलन : डॉ. रामकुमार वर्मा
11. युगपुरुष कबीर : रामचंद्र वर्मा
12. कबीर वचनामृत : संपा. डॉ. विजेंद्रस्नातक, डॉ. रमेशचंद्र मिश्र

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - I) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN114

Tittle of Course : विशेष : साहित्यकार कबीर

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	3			
CO 2					1	3			
CO 3					2	3			
CO 4					3	3			
CO 5			2						
CO 6						2			
CO 7		3							
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO7-कबीर के साहित्य में चित्रित नैतिक मूल्यों का परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO5-छात्र महात्मा कबीर के विचारों को वर्तमानकाल के परिप्रेक्ष्य में विचार करेंगें।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1-छात्रों को मध्ययुगीन काव्य की प्रवृत्तियों का महत्व समझेगा।

CO2-छात्रों में मध्ययुगीन हिंदी काव्य के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।

CO3-छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति गहरी रूचि निर्माण होगी।

CO4-छात्रों में महात्मा कबीर के विचारों से प्रभावित होगें।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-छात्रों को मध्ययुगीन काव्य की प्रवृत्तियों का महत्व समझेगा।
CO2-छात्रों में मध्ययुगीन हिंदी काव्य के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।
CO3-छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति गहरी रूचि निर्माण होगी।
CO4-छात्रों में महात्मा कबीर के विचारों से प्रभावित होगें।
CO6-छात्र तत्कालीन काव्यभाषा से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

.....